आर एल ए समाचार

आपकी आवाज़ आप तक

रामलाल आनंद महाविद्यालय, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग का प्रकाशन | सत्र 2019–20 | पेज 1–4

स्पलेंडर 2020

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से रोशन मंच

तीन दिवसीय समारोह में दिखा विद्यार्थियों में उत्साह

शिल्पी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के रामलाल आनंद महाविद्यालय के परिसर में छात्रसंघ समिति की ओर से तीन दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव "स्पलेंडर 2020" का आयोजन किया गया। 13 फरवरी को आयोजित नॉर्थ ईस्ट समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि एडिशनल कमिश्नर ऑफ दिल्ली पुलिस हिबू तमांग और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। बीहू नृत्य, फ्यूज़न गीत, फ्यूज़न नृत्य और अरूणाचली नृत्य ने सबका मन मोह लिया।

इसके बाद रैंप वॉक की शुरूआत हुई, जिसमें नॉर्थ ईस्ट की वेशभूषा को प्रदर्शित किया गया। इन सभी कार्यक्रमों के साथ कला प्रदर्शनी प्रतियोगिता, स्टील लाइफ स्केचिंग, टेटू आर्ट, लोगो मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बैटल ऑफ बैंड प्रतियोगिता से पहले दिन का अंत हुआ। दूसरे दिन 14 फरवरी की भव्य शुरूआत नृत्य प्रतियोगिता से हुई, जिसमें कथक के अनेक अंदाज़ देखने को मिले। इसके बाद गायन प्रतियोगिता, हिंदी वाद–विवाद प्रतियोगिता और फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। सभी प्रतियोगिताओं के बाद डीजे नाइट का आयोजन किया गया जिसका सभी विद्यार्थियों ने खूब आनंद लिया।

तीसरे दिन 15 फरवरी को शास्त्रीय संगीत, नृत्य, लोक नृत्य, अंग्रेज़ी वाद–विवाद, पश्चिमी गीत जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दिन नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। अंत में जिसका सभी को इंतज़ार पिछले दो दिनों से था, पंजाबी गायक अखिल की प्रस्तुति। इस समारोह का अंत भव्य अंदाज़ में हुआ।

महाविद्यालय के वार्षिक समारोह में शिक्षकों संग यूनियन पदाधिकारी।

फ़ेस्ट में आयोजित 9 प्रतियोगिताओं में 5 राज्यों के बच्चों ने लिया भाग।

गुलशन बने छात्रसंघ अध्यक्ष

कृष्णा, अजय राज

नई दिल्ली। रामलाल आनंद महाविद्यालय में 12 सितंबर 2019 को मतदान करवाये गये। परिणाम शाम चार बजे घोषित कर दिया गया। चुनाव में अध्यक्ष पद पर गुलशन झा तथा उपाध्यक्ष के पद पर श्वेता ने भारी वोटों से जीत हासिल की। सचिव के पद पर अनूप यादव, सहायक सचिव के लिए आकाश को तथा कॉउन्सलर के पद पर जितेन्द्र व शतेन्द्र को जीत हासिल हुई।

अध्यक्ष के पद पर करीब 900 वोट डाले गए, जिनमें 454 वोट गुलशन झा ने प्राप्त कर जीत हासिल की। वहीं 434 वोट प्राप्त कर पारस को हार का सामना करना पड़ा। 9 वोट नोटा में भी डाले गए। 351 वोट प्राप्त कर श्वेता ने उपाध्यक्ष पद अपने नाम किया। उपाध्यक्ष पद तथा सचिव पद पर तकरीबन 1000 की संख्या में वोट डाले गए। सहायक सचिव के पद पर साथी

छात्रसंघ चुनाव

विरोधी न होने के कारण आकाश आसानी से जीत गए। वहीं सेंटर कॉउन्सलर के पद पर जितेन्द्र व शतेन्द्र दोनों ने जीत की खुशी में जश्न के दीप जलाए। सभी उम्मीदवार चुनाव प्रक्रिया से संतुष्ट नज़र आए।

नुक्कड़ नाटक से फैली जागरूकता

विकास कुमार

नई दिल्ली। 14 फरवरी 2020 को रामलाल आनंद महाविद्यालय में थिएटर सोसाइटी के फेस्ट का आयोजन हुआ। इस उपलक्ष्य में नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली के विभिन्न महाविद्यालयों के थिएटर सोसाइटी ने आवेदन किया। उनमें से 14 सोसाइटी को प्रतियोगिता के लिए चुना गया। इनमें हिन्दू कॉलेज, हंसराज कॉलेज, श्री वेंकटेश्वरा कॉलेज, आर्यभट्ट कॉलेज प्रमुख रहे।

हसरतें सोसाइटी

सभी थिएटर सोसाइटी द्वारा सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, आतंकवादी गतिविधियां जैसे बहुत से मुद्दों को उठाया गया। आयोजित प्रतियोगिता में पहला स्थान आर्यभट्ट कॉलेज को दिया गया, जिन्होंने बच्चों के अंदर पनप रही आतंकवादी गतिविधियां जैसे सनसनीखेज मुद्दे को उठाया। दूसरा स्थान हंसराज कॉलेज को मिला, जिन्होंने इस भीड़ और भाग–दौड़ भरी दुनिया में चिड़चिड़ेपन को नुक्कड़ नाटक के जरिए दर्शाया कि कैसे लोग मेट्रो में, बस में, भीड़ वाले बाजारों में चिड़चिड़ेपन का शिकार होते जा रहे हैं। इस बीच निर्णायक मंडल के रूप में एनएसडी से पासआउट अभिनेता, डायरेक्टर और वर्तमान में रामलाल आनंद कॉलेज के थिएटर सोसाइटी के मेंटोर गुरू श्री अवतार साहनी और कॉलेज के हिंदी पत्रकारिता विभाग के संयोजक डॉ. राकेश कुमार मौजूद रहे।

संचार 2019 : आरएलए बना मुख्य विजेता

आरआईएमटी विवि गोविंदगढ़ के नाम रही उपविजेता ट्रॉफ़ी

डॉ. राकेश कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के रामलाल आनंद महाविद्यालय में हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से 4 अक्टूबर 2019 को आयोजित "मीडिया फेस्ट संचार 2019" में संचार, कला, साहित्य और संस्कृति के विभिन्न रंग देखने को मिले, जिसमें दिल्ली विवि, एनसीआर, पंजाब, राजस्थान और हरियाणा के कई कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

फेस्ट में उद्घाटन सत्र के अलावा नौ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कविता प्रतियोगिता में जुनैद को प्रथम, हनी त्यागी को द्वितीय और शिवांशु को तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया। स्टैंड अप कॉमेडी में अनिकेत पहले, शिवा शर्मा दूसरे और श्रेया ने तीसरे पुरस्कार पर कब्जा जमाया। मीडिया क्विज़ में युवराज ने पहला, शिवांगी–अंकित की जोड़ी ने दूसरा और शाहिद–मानसी की जोड़ी ने तीसरे पुरस्कार पर कब्जा जमाया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में राजन ने पहला, इस्लाम खान ने दूसरा तो आयुष भगत ने तीसरे पुरस्कार से संतोष किया। डिजिटल पोस्टर मेंकिग में श्रेया विजेता घोषित की गईं वहीं कार्टून मेंकिग में मुस्कान ने सभी को पछाड़ा। रेडियो जॉकिंग में नेहा पहले, प्रीति दूसरे और मनोज को तीसरे पुरस्कार से नवाजा गया। पोस्टर मेकिंग में अदीबा तस्नीम को पहला, हिमांशी को दूसरा तो गंगा नीरज को तीसरा पुरस्कार मिला। डॉक्यूमेंट्री का पहला पुरस्कार आयुष–प्रीतम के नाम रहा, नीतीश ने दूसरा और आशीष ने तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के जनसंपर्क अधिकारी नीरज कुमार और मॉलिटिक्स के अनुदीप सिंह ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। सांस्कृतिक संध्या में हरियाणवी, राजस्थानी और पंजाबी नृत्य की प्रस्तुतियों ने समा बांध दिया।

हिंदी पत्रकारिता

इससे पहले उद्घाटन सत्र का शुभारंभ करते हुए वरिष्ठ पत्रकार उदय कुमार ने कहा कि आज फ़ेक न्यूज़ का चलन बहुत है, ऐसे में सही सूचना सामने लाने और समय के साथ चलने और बदलते रहने की आवश्यकता है।

थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल बहुत जरुरी है। उन्होंने एक अच्छे पत्रकार के लिए भाषा, अनुवाद और सामान्य ज्ञान को जरुरी बताया। मुख्य अतिथि का स्वागत और संबोधन प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने किया। हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयोजक डॉ. राकेश कुमार ने कार्यक्रम की रुपरेखा रखी और हिंदी, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की अध्यक्ष डॉ. नीलम ऋषिकल्प ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

बापू की याद में हुई प्रतियोगिता

निक्की राय

नई दिल्ली। रामलाल आनंद महाविद्यालय में 28 जनवरी के दिन गांधी की 150वीं जंयती के उपलक्ष्य में महाविद्यालय के संगोष्ठी कक्ष में अंतः महाविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। समदृष्टि व सृजन पत्रिका कमेटी तथा अभिव्यक्ति लेखन

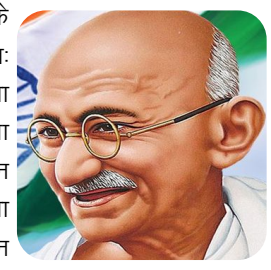

समिति के गठजोड़ से लेखन व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन एवं संचालन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के

समदृष्टि व अभिव्यक्ति समिति

सभी विभागों के छात्रों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। छात्रों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए लेखन प्रतियोगिता में हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखने की छूट दी गई।

प्रथम 5 विजेताओं के लिए 1000 रुपए की धनराशि पुरस्कार स्वरूप देने की घोषणा की गई तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान करवाए जाने का वादा किया गया। प्रथम 5 विजेताओं के लेख महाविद्यालय की समदृष्टि पत्रिका में प्रकाशित किए जाने की बात कही गई। प्रतियोगिता अपने निर्धारित समय पर ही आरंभ एवं समाप्त हुई। यह कार्यक्रम दोनों समितियों की संयोजिका डॉ. अर्चना गौड़ और डॉ. रिताम्बरा के नेतृत्व में किया गया।

रचनात्मक ऊर्जा से भरा रहा पूरा साल

डॉ. राकेश कुमार

आरएलए समाचार आईना है पूरे साल भर में हासिल उपलब्धियों का। आज जिस समय में हम इसका प्रकाशन कर रहे हैं वह तमाम समस्याओं और नाउम्मीदी से भरा हुआ है पर कहते हैं कि हर रात का अंत सुबह से ही होता है। रचनात्मकता इसी सुबह का नाम है। जब हम रच रहे होते हैं तो जैसे हम उम्मीद का एक बीज समय की धरती में रोप रहे होते हैं। इसी उम्मीद में कि यह बीज अंकुरित होकर एक दिन बड़ा छायादार दरख़्त बनेगा। वास्तव में हमारे जीवन के सबसे कठिन समय की साथी यह रचनात्मक ऊर्जा ही है। आरएलए महाविद्यालय ने अपनी रचनात्मक ऊर्जा से पिछले वर्ष में अनेक बुलन्दियों को छुआ। यह वर्ष हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के लिए भी अनेक उपलब्धियों से भरा रहा है। विभाग ने पहला वार्षिक समारोह 'संचार' आयोजित किया जिसमें अनेक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस समारोह को आयोजित करने में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने जिस तरह से मेहनत की और उत्साह दिखाया वह प्रशंसनीय है। मैं आशा करता हूं कि आने वाले वर्षों में हम और बेहतरीन कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

समाचार दरअसल समस्या को दर्ज करने का तरीका है जिसे जितनी ईमानदारी से दर्ज किया जाए उतना ही वह आने वाले समय के लिए मूल्यवान बनता हैं। मुझे खुशी है कि हिंदी पत्रकारिता के हमारे विद्यार्थी लगातार इस कला को सीखने में लगे हैं। आरएलए समाचार विद्यार्थियों को अपने हुनर को दिखाने का एक अनूठा अवसर देता है।

नई शिक्षा नीति यानी शिक्षा क्षेत्र में बदलाव

शिक्षा एक ऐसी पूंजी है जिसे जितना बांटा जाए यह उतना बढ़ता है। हमारा संविधान हर उन बच्चों को, जिसकी आयु 6 से 14 वर्ष की है उनका सर्वांगीण विकास करने के लिए शिक्षा का अधिकार देता है। देश में 29 जुलाई 2020 को मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने ''नई शिक्षा नीति 2020'' लागू की। शिक्षा के क्षेत्र में यह बदलाव 34 साल बाद लाया गया है, जिसमें पहला काम मानव संसाधन विकास मंत्रालय का नाम बदलकर शिक्षा मंत्रालय करने का किया गया।

इस नई शिक्षा नीति में बच्चों के लिए 10+2 व्यवस्था को हटाकर 5+3+3+4 के ढांचे को अपनाया गया है। 5+3+3+4 की व्यवस्था में 5 का मतलब बच्चों को 3 साल प्री–स्कूल के तौर पर और उसके बाद कक्षा 1 और 2 की पढ़ाई कराई जाएगी। 3 का मतलब कक्षा 3, 4 व 5 तक की शिक्षा से है। अगले 3 का मतलब है कक्षा 6, 7 व 8 की और आखरी 4 का मतलब है 9, 10, 11 और 12 तक की शिक्षा।

इस नई शिक्षा नीति के तहत अब 3 से 18 साल तक के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इस नीति का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि इसमें भाषा के स्तर पर 3 भाषा को सम्मिलित करने की बात की गई है। इसके तहत कक्षा 5 तक मातृभाषा/लोकल भाषा में शिक्षा ग्रहण करने पर ज़ोर दिया गया है। इसमें संस्कृत भाषा के साथ–साथ तमिल, तेलुगू, कन्नड़ भाषाओं में शिक्षा देने की बात कही गई है। इस नीति के तहत बच्चों के सर्वांगीण विकास जैसे बागवानी, नियमित योग, खेलकूद, मार्शल आर्ट, नृत्य जैसी गतिविधियों पर ज़ोर दिया जाएगा। इससे बच्चों की शारीरिक क्षमता को मजबतूी मिलेगी। पहले कक्षा 11वीं में विषय चुनने की आज़ादी थी जो अब बदलकर कक्षा 9वीं में दी जाएगी। इस नीति में स्ट्रीम की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है और बच्चों को अपने पसंदीदा विषय का चयन खुद करने की आज़ादी दी है।

आभा कुमारी

इस नीति के तहत कक्षा 6 से ही व्यवसायिक शिक्षा को शामिल किया जाएगा तथा बच्चों को कक्षा 6 से ही इंटर्नशिप दी जाएगी तथा छात्रों की प्रगति का आकलन करने के लिए ''परख'' नामक एक ''राष्ट्रीय आकलन केंद्र'' की शुरूआत की जाएगी। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत उच्च शिक्षा में भी नए बदलाव किए गए हैं। इसमें अब स्नातक के लिए 4 साल लगेंगे, जिसमें अगर कोई बच्चा अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देता है तो उसके लिए भी सर्टिफिकेट की व्यवस्था है। यदि वह केवल 1 साल में अपनी पढ़ाई छोड़ देता है तो उसे सर्टिफिकेट, अगर 2 साल बाद छोड़ता है तो एडवांस सर्टिफिकेट, तीसरे साल में डिग्री तथा 4 साल बाद डिग्री शोध के साथ मिलेगी।

इसी तरह स्नातकोत्तर में भी बदलाव किया गया है। जिन बच्चों ने 3 साल का स्नातक किया है वह 2 साल का मास्टर्स तथा जिन बच्चों ने 4 साल का डिग्री कोर्स शोध के साथ किया है वह 1 साल का मास्टर्स कर सकते हैं। एमफिल की डिग्री को इस नई शिक्षा नीति में समाप्त कर दिया गया है। अब पीएचडी के लिए केवल 4 साल की डिग्री शोध करने की आवश्यकता होगी। इस नई शिक्षा नीति के तहत साल 2030 तक सकल नामांकन अनुपात को 50 प्रतिशत लाने का लक्ष्य रखा गया है। यह नीति के.कस्तूरीरंगन के अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट पर आधारित होगी।

इस नई शिक्षा नीति के द्वारा विद्यालय, विश्वविद्यालयों में सुधार लाने तथा शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने पर बल दिया गया है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य बच्चों में कुशलता का विकास करना है ताकि कोई बच्चा आगे चलकर बेरोज़गारी से ग्रसित न हो।

छात्र जीवन और अभिलाषाएं

अभिलाषाएं मनुष्य के स्वतंत्र मस्तिष्क की वह उपज होती हैं जो उसे आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित करती हैं। छात्र जीवन मनुष्य के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता हैं। वह सपने जिन्हें हम पाना चाहते हैं, वह चीज़ें जिन्हें हम हासिल करना चाहते हैं तथा वह मंज़िल जिसके लिए हम रास्ता बनाते हैं, यह सब अभिलाषाएं का ही नतीज़ा है। जो लोग शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, वह इस जीवन का महत्व बखूबी समझते हैं।

अभिलाषाएं हम सभी की होती हैं। हर विद्यार्थी अपनी अभिलाषाओं को पूरी करने की कवायद में हर क्षण कुछ न कुछ सीखता रहता है और सही मायनों में यही तो जीवन है। हरिवंशराय बच्चन की कविता 'फिर भी जीवन की अभिलाषा' की पंक्तियां–"शून्य प्रतीक्षा में है मेरी गिनती के क्षण की है देरी, अंधकार में समा जाएगा सृष्टि का सब खेल तमाशा!, फिर भी जीवन की अभिलाषा" बच्चन की इन पंक्तियों के भाव को समझकर यदि विद्यार्थी अपने जीवन में लागू करें कि अभिलाषाएं कभी खत्म नहीं होती चाहें जितनी भी कठोर स्थितियां क्यों न हों। छात्र कक्षा में उत्तीर्ण होने की अभिलाषा रखते हैं पर अक्सर अभिलाषाएं पूरी न होने पर छात्र निराश होकर जल्द ही हार मान लेते हैं। वास्तव में एक संपन्न विद्यार्थी जीवन वह है जिसमें वह बिना हार माने आगे बढ़ता रहे। वह अव्वल आने की अभिलाषां में सिर्फ लाइब्रेरी व किताबों में ही खुद को कैद किए बिना दूसरी चीज़ों में भी हाथ आजमाए।

पारसमणि

प्रेम, मित्रता, खुशियां तथा उज्जवल भविष्य की इच्छा किसे नहीं होती? मौजूदा समय में छात्र अपने जीवन को बोझ की भांति महसूस करते हैं। एक विफलता उन्हें डिप्रेशन की ओर बहुत जल्दी धकेल देती है। हालात और स्थितियां ऐसी बन जाती हैं कि सभी अभिलाषाएं खत्म होंने लगती हैं। सहिष्णुता का अभाव कामयाबी के आड़े आने वाली सबसे बड़ी बाधा न बनने पाए इसलिए जरुरी है कि दृढ़ता के साथ आगे बढ़ा जाए। अपनी अभिलाषाओं को पंख दो, सपनों को उड़ान। यह ज़रुरी नहीं है कि हर इच्छा पूरी हो पर इसका अर्थ यह नहीं कि इच्छाएं कभी पूरी नहीं होंगी।

लोक परम्परा का हमारे जीवन में महत्व

भारत के सांस्कृतिक विकास में भारत के लोकगीतों, लोकगाथाओं, लोककथाओं एंव लोकनाट्यों का महत्वपूर्ण स्थान है। आज यह अत्यंत खेद का विषय है कि हमारे देश का अधिकांश पठित जन–समुदाय अपनी प्रादेशिक और समृध्द जनपदीय भाषाओं के साहित्य से सर्वथा अपरिचित है। किसी देश की लोक संस्कृति उस देश की जनता के हृदय का उद्गार है। किसी देश, विदेश, प्रदेश या क्षेत्र की सांस्कृतिक चेतना का ज्ञान प्राप्त करना हो या उनकी सभ्यता का अध्ययन करना हो तो सर्वप्रथम उसके लोक साहित्य का अध्ययन करना आवश्यक होगा। लोक संस्कृति के व्यवहारिक ज्ञान का आधार पोथियों में नहीं है। यह प्रायः मौखिक होता है और लोक कंठ में सुरक्षित रहकर परंपरागत रुप में चलता है। कभी आपने सोचा है कि शादियों, पूजा आदि में गाए जाने वाले गीत कहां लिखे होते हैं? बचपन में दादी के मुख से सुने किस्से किस पुस्तक में होते हैं? विभिन्न तरह के रीति–रिवाज, गीत–संगीत, किस्से, कहावतें आदि हमारी परंपरागत विरासत है।

इस संदर्भ में बिहार की लोक संस्कृति देश के अन्य राज्यों से अधिक समृध्द रही है। हमारे यहां प्रत्येक मौसम, त्योहार, रिश्तों, सामाजिक घटनाओं के लिए अलग–अलग लोक गीत, लोक नाट्य, लोक गाथाएं प्रचलित हैं। जैसे होली में चैता और फगुआ गाया जाता है, सावन में कजरी, बच्चे के जन्म पर सोहर, आध्यात्मिकता के लिए निर्गुण, शादियों में गौरा–विवाह आदि। आप सोच कर देखिए कि सावन के मौसम में वर्षा हो रही है और ग्रामीण धान रोपते हुए कजरी गा रहे हैं। कितना मनमोहक दृश्य होगा? परंतु सामाजिक सदभावना को जागृत रखने वाली यह परंपरा अब धीरे–धीरे धूमिल होती जा रही है। प्रसिद्ध कजरी का एक अंश–"कैसे खेलन जईबु सावन में कजरिया, बदरिया घिरी आईल ननदी। तू त जात हउ अकली, केहू संग ना सहेली, छैला रोक लईहे, तोहरी डगरिया। बदरिया घिरी आईल ननदी।" पुरानी पीढ़ी का यह लोक साहित्य आज के सामाजिक परिदृश्य में भी प्रासंगिक है। भोजपुरी लोकनाट्य में विदेसिया नाटक अत्यधिक प्रसिद्ध रहा है। इसके प्रति इतनी दीवानगी रही है कि 10 से 13 किलोमीटर तक से लोग इसे देखने आते थे। प्यार, विरह, मिलन जैसी भावनाओं से ओत–प्रोत यह नाटक विशाल जन. समूह पर गहरा प्रभाव डालता था। इसका कारण यह था कि उस दौर में अधिकांश युवा कलकत्ता कमाने के लिए जाते थे और वापस नहीं लौटते थे। इसके संदर्भ में बिहार में एक कहावत प्रचलित थी कि कलकत्ता में कमाया और हावड़ा में गंवाया अर्थात जो कमा कर घर लाने का प्रयास करता था वह चोर लूट लेते थे।

विकास कुमार

एक आंकड़े के मुताबिक पिछले साल तक जवाहरलाल नेहरु यूनिवर्सिटी में लगभग 10 से अधिक छात्र भिखारी ठाकुर के नाटकों पर पीएचडी कर रहे थे। लोक साहित्य जनसंचार का सबसे अधिक प्रभावशाली माध्यम रहा है। लोककथा, लोकगीत व लोकनाटक आज भी हमारे समाज में विद्यमान हैं परंतु हाशिए पर। आधुनिकता की इस भागदौड़ में साहित्य के प्रति उपेक्षा के भाव और संस्कृति के प्रति मोह के अभाव के कारण आदमी संवेदन शून्य होता जा रहा है। आज लोक संस्कृतियों का संग्रह और संकलन का काम और भी कठिन होता जा रहा है। लोककथाकार गवैयों की कमी और लोक लाज का डर इसके मुख्य कारण हैं।

अब ज़रुरत है नई सोच और समाज के निर्माण की

भारतीय संस्कृति में नारी को सम्मानजनक स्थान देने की परंपरा प्राचीन काल से चली आई है। हमारे वैदिक शास्त्रों में भी कहा गया है, "यत्र नार्यस्तु पूज्यंते ,रमंते तत्र देवता"। भारतीय समाज के विभिन्न काल खंडों पर यदि नज़र डालें तो हम पाते हैं कि वैदिक काल में महिलाओं को कुटुंब समाज में पर्याप्त सम्मान प्राप्त था। उत्तर वैदिक काल आने तक महिलाओं की उन्नत स्थिति में आंशिक गिरावट आने लगी तथा सामाजिक स्तर पर उन पर कुछ पाबंदियां लगाई जाने लगीं। इस दौर में बाल विवाह की परंपरा भी शुरू हुई।

वर्ष 2001 की जनगणना के आधार पर देश की कुल साक्षरता दर 64.4 फीसद आंकी गई थी। इसमें पुरुषों की साक्षरता दर 75. 85 फीसद और महिलाओं की साक्षरता दर 54.16 फीसद थी। 2011 की जनगणना के अनुसार कुल साक्षरता दर 74.0 फीसद है, जिसमें पुरुषों की साक्षरता दर 82.1 फीसद और महिलाओं की साक्षरता दर बढ़कर 65.5 फीसद हो गई है। इन आंकड़ों से साफ पता चला है कि पिछले दो दशकों में महिलाओं की शिक्षा में संतोषजनक सुधार आया है। हमारे देश में महिलाओं की साक्षरता नगरीय क्षेत्र की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत कम है।

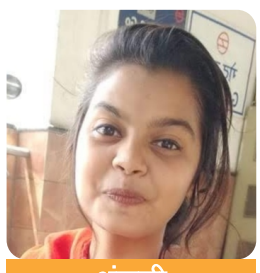
अंजली

शिक्षित न होने के कारण ही महिलाएं पुरुषों पर आश्रित हो जाती हैं।

महिलाओं को पुरुषों की अपेक्षा में बेहद कम वेतन मिलता है। ऑक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट से पता चला है कि महिलाओं का वेतन पुरुषों के वेतन से 34 फीसद तक कम होता है। सवाल यह कि जब महिला व पुरुष के कार्य और समय दोनों समान हैं तो फिर वेतन में अंतर क्यों है? गौरतलब है कि आज पितृसत्तात्मक बेड़ियों को तोड़ने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीण समाज में आज भी बेटियों को पढ़ने–लिखने नहीं दिया जाता लेकिन अब सरकार उन्हें लाडली, लक्ष्मी और सुकन्या जैसी योजनाओं का प्रस्ताव देती है, जिससे वह उन्हें पढ़ाने के लिए भी तैयार हो जाते हैं। समाज में प्रत्येक पुरुष और महिला को संविधान द्वारा समान मूलभूत अधिकार दिए गए हैं लेकिन फिर भी किसी न किसी रूप में सामाजिक रूढ़िवादी मान्यताओं और विषमताओं के कारण महिलाएं अपने अधिकारों से वंचित रह जाती हैं।

इस महत्वपूर्ण मुद्दे के समाधान की दिशा में हमारे देश में स्थित कई गैर सरकारी संस्थाएं राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से सहयोग लेकर अपने स्तर पर प्रयास कर रही हैं। भारत का महिला और बाल विकास विभाग महिलाओं के विकास के लिए सदैव प्रयत्नशील रहा है, वहीं अब मीडिया और अन्य संचार माध्यम भी इस दिशा में सक्रिय हुए हैं।

किसी देश की अर्थव्यवस्था को तभी मज़बूत बनाया जा सकता है जब महिलाओं और पुरुषों की समान भागीदारी सुनिश्चित हो। हमारे देश में आज महिलाओं के लिए स्वउद्यमिता का विकास तेज़ी से हो रहा है परंतु इसके बावजूद भारत में कुल उद्यमियों में महिलाओं की भागीदारी मात्र 14 फीसद है। मार्च में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार घरेलू कामकाज के प्रति भारतीय समाज में चला आ रहा पक्षपात ही महिलाओं के रोज़गार प्राप्ति के मार्ग में सबसे बड़ी रुकावट है।

नई वैज्ञानिक तकनीक पर ज़ोर देता माइक्रो वीटा 2020

माइक्रोबायोलॉजी विभाग

प्रवेश

नई दिल्ली। रामलाल आनंद महाविद्यालय में माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा 4 फरवरी से 5 फरवरी तक दो दिवसीय वार्षिक उत्सव माइक्रो वीटा 2020 का आगाज़ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता, डॉ. वंदना गुप्ता और प्रोफेसर पवन कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में पहले दिन के मुख्य अतिथि जेएनयू के स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के प्रोफेसर पवन कुमार रहे। उन्होंने मुख्य रूप से सिंथेटिक जीव विज्ञान के अनुप्रयोग, जैविक इंजीनियरिंग और इनके बीच के अंतर के बारे में बताया।

कार्यक्रम में क्विज़, एड मेकिंग, इनोवेटिव आइडिया प्रेजेंटेशन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न कॉलेजों के प्रतिभागियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। क्विज़ प्रतियोगिता में आरएलए कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रथम वर्ष के छात्रों की टीम, जिसमें अभिलाष, वासु, सोमा तथा आर्य ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा और विचारों को खूब बेहतरीन तरीकों से व्यक्त किया। पोस्टर मेंकिग प्रतियोगिता में शहीद राजगुरू कॉलेज की दिशा गुप्ता ने प्रथम स्थान हासिल किया।

उत्सव के दूसरे दिन राष्ट्रीय स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. मिताली मुखर्जी, डॉ. नरसिंह चौहान, डॉ. दीपांजन पॉल और प्रोफेसर संजय कपूर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। डॉ. नरसिंह चौहान ने अपने भाषण में मानव शरीर के अंदर मौजूद सूक्ष्म जीवाणु की भूमिका व शरीर के भीतर विटामिनों के उत्पादन पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. मताली मुखर्जी ने आयुर्वेद और जिनोमिक्स के आपस में संबंध को समझाया। डॉ. दीपांजन पॉल ने स्विस आर्मी नाइफ के विभिन्न उपयोगों से सबको रूबरू करवाया कि कैसे वो जेनेटिक इंजीनियरिंग व जीन एडिटिंग के लिए उपयोग किया जाता है।

सभी वक्ताओं का भाषण समाप्त होने के बाद विद्यार्थियों ने विषय से संबंधित अपने–अपने सवाल रखे, जिसका जबाव वक्ताओं द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम के साथ माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने कॉलेज में अपने 30वें कार्यक्रम का समापन किया।

माइक्रोबायोलॉजी की ओर से वक्ताओं का स्वागत करते प्राचार्य।

सामाजिक कार्यों में शामिल रहने को मिला बढ़ावा

मानवीय मूल्य

महेंद्र

नई दिल्ली। रामलाल आनंद कॉलेज ने मानव मूल्य, नैतिकता और जीवन कौशल पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। प्रयास संस्था के संस्थापक और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी रहे आमोद कंठ, लाडली फाउंडेशन के संस्थापक देवेंद्र कुमार गुप्ता और हेल्दी एजिंग इंडिया के संस्थापक डॉ. प्रसून चटर्जी ने कार्यक्रम में शिरकत की।

आमोद कंठ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मानव मूल्य, नैतिकता और जीवन कौशल किसी कक्षा में सीखने की बात नहीं है, बल्कि यह सब धीरे–धीरे हमारे अंदर आ जाता है। उन्होंने बताया कि आज पूरी दुनिया प्रयास संस्था को बच्चों के विकास के लिए कार्य करने वाली संस्था के रूप में जानती है। भारत के 9 राज्यों में प्रयास आज काम कर रहा है।

देवेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि वह लाडली फांउडेशन के माध्यम से लगातार लड़कियों की सुरक्षा और उनकी शिक्षा के लिए कार्य कर रहे हैं। वहीं डॉ. प्रसून चटर्जी ने बताया कि वह अनेक कॉलेजों और स्कूलों के विद्यार्थियों के साथ मिलकर बुजुर्गों की सेवा कर रहे हैं। इस कार्यशाला के आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता और डॉ. रीटा जैन ने मुख्य भूमिका निभाई।

आरोह में तर्क–वितर्क का संगम

आरोह समिति

गीतू कत्याल

नई दिल्ली। रामलाल आनंद महाविद्यालय की हिंदी वाद–विवाद समिति 'आरोह' द्वारा सत्र 2019–2020 में दो मुख्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें एक अंतः महाविद्यालय व दो अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता शामिल है। अंतः महाविद्यालय प्रतियोगिता 9 सितंबर 2019 को आयोजित की गई, जिसमें हिंदी पत्रकारिता एंव जन. संचार विभाग के पवन एवं पारसमणि की जोड़ी ने प्रथम पुरस्कार हासिल किया। पहली अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता 23 जनवरी 2020 को आयोजित की गई, जिसमें कुल 15 महाविद्यालयों ने भाग लिया। इसमें प्रथम पुरस्कार जाकिर हुसैन कॉलेज से इंशा व नसरीन ने, द्वितीय पुरस्कार मोतीलाल नेहरू कॉलेज से शिवम व पंकज और तृतीय पुरस्कार आनंद व प्रिंस ने हासिल किया।

दूसरी अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन 14 फरवरी 2020 को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरोह समिति के संयोजक डॉ. सुभाष चंद्र डबास द्वारा की गई। प्रतियोगिता 'सोशल मीडिया ने नए उपभोक्ता वर्ग को तैयार किया है' विषय पर रखी गई थी। निर्णायक मंडल में डॉ. अर्चना गौड़, डॉ. दिनकर सिंह, डॉ. मानवेश नाथ दास उपस्थित रहे। कार्यक्रम का छात्र संचालन विकास और गीतू कत्याल द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में अलग–अलग महाविद्यालयों से 13 टीमों ने भाग लिया, जिसमें रामजस कॉलेज, शहीद भगत सिंह कॉलेज, मोतीलाल नेहरु कॉलेज और आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज ने मुख्य रूप से अपनी मौजूदगी दर्ज़ की। सभी प्रतिभागियों ने तर्क–वितर्क के साथ अपना वक्तव्य पेश किया। प्रथम पुरस्कार रामजस कॉलेज और द्वितीय पुरस्कार व इंटरजेक्टर का पुरस्कार मोतीलाल नेहरु कॉलेज ने अपने नाम किया। डॉ. मानवेश ने सभी प्रतिभागियों के वक्तव्य की तारीफ की और आगे भी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। अंत में आरोह समिति द्वारा निर्णायक मंडल, प्रतिभागियों और उपस्थित विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

गणित विभाग

इमप्लोशन : छात्रों का शानदार प्रदर्शन

धनंजय कुमार

नई दिल्ली। रामलाल आनंद महाविद्यालय में 27 फरवरी 2020 को गणित सोसाइटी इंफिनिटी का अंतर महाविद्यालय वार्षिक उत्सव इमप्लोशन आयोजित किया गया। समारोह में भारतीय रक्षा एवं अनुसंधान संगठन के वैज्ञानिक डॉ. गिरीश मिश्रा मुख्य अतिथि की भूमिका में नज़र आए। समारोह की शुरूआत पारंपरिक रूप से प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

प्राचार्य ने छात्रों के मॉडल, परियोजनाओं एवं तकनीक एप्लीकेशन की बेहद तारीफ की और इंटर्नशिप संबंधित जानकारियों से छात्रों को समय–समय पर अवगत रखने के लिए अध्यापकों की सराहना की। उद्घाटन सत्र के दौरान डॉ. मजूमदार और दिलीप कुमार समेत अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे। इमप्लोशन 2020 में अनेक प्रतियोगिताएं जैसे पीपीटी प्रस्तुतिकरण, गणित प्रश्नोत्तरी और गणित प्रसारण का आयोजन किया गया। फ़ेस्ट को सफल बनाने में गणित सोसाइटी के छात्र अध्यक्ष जोगिंदर सिंह और सचिव प्रेरणा डेय सहित अन्य छात्र सदस्यों ने मुख्य भूमिका निभाई। विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में कार्यक्रम में भाग लिया।

हिंदी पत्रकारिता

सच कहने की कला–डॉक्यूमेंट्री

विकास त्रिपाठी

नई दिल्ली। 7 फरवरी 2020 को रामलाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार विभाग द्वारा डॉक्यूमेंट्री विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि श्री नवरोज़ कॉन्ट्रैक्टर भारत तथा विदेशों की फिल्मों में सिनेमेटोग्राफर तथा डायरेक्टर के तौर पर काम करते हैं।

कार्यशाला की शुरूआत शार्ट–फिल्म 'सैड ट्री' और डॉक्यूमेंट्री 'झाड़ू कथा' के प्रदर्शन के साथ हुई। कार्यशाला में उपस्थित छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने फिल्म, डॉक्यूमेंट्री तथा लॉन्ग रिपोर्ट से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर बात की। उन्होंने छात्रों को बताया कि डॉक्यूमेंट्री बनाने की शुरूआत हमेशा एक विषय पर रिसर्च के साथ होती है और हमारा मुख्य काम समस्याओं को सामने रखना होता है। कार्यशाला का समापन पत्रकारिता विभाग के संयोजक डॉ. राकेश कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एनसीसी के एक दिवसीय वार्षिक उत्सव विक्रांत 2020 में मुख्य अतिथि, प्राचार्य व शिक्षकों संग कैडेट्स।

एनसीसी का वार्षिक उत्सव–विक्रांत 2020

विभिन्न महाविद्यालयों से आए एनसीसी कैडेट्स की टीमों ने बल का किया प्रदर्शन

एनसीसी

अतुल

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के रामलाल आनंद महाविद्यालय की एनसीसी इकाई की तरफ से 11 फरवरी 2020 को एक दिवसीय वार्षिक उत्सव विक्रांत 2020 का आयोजन किया गया। इस उत्सव के मौके पर भारतीय सेना के सेवानिवृत्त कप्तान धर्मवीर, जो तोपखाने की रेजिमेंट में भारतीय सेना के अधिकारी रहे हैं और कर्नल अनूप अवस्थी जो 7 दिल्ली बटालियन एनसीसी के सीओ हैं, मुख्य अतिथि की भूमिका में उपस्थित रहे। रामलाल आनंद महाविद्यालय की एनसीसी इकाई के अधिकारी कप्तान डॉ. संजय कुमार शर्मा और उनके सैनिक छात्रों द्वारा कई तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया।

विक्रांत 2020 में अलग–अलग विश्वविद्यालयों के महाविद्यालय भी शामिल रहे। क्वार्टर गॉर्ड एसडी की प्रतियोगिता में आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय ने और एसडब्लू की प्रतियोगिता में एसपीएम महाविद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्क्वार्ड ड्रिल एसडी में आईटीआई निजामुद्दीन ने और स्क्वार्ड ड्रिल एसडब्लू में कालिंदी महाविद्यालय प्रथम स्थान पर रहे। एसडब्लू का बेस्ट कैडेट पुरस्कार एसयूओ हिमांशु ने अपने नाम किया। वॉलीबॉल एसडी में प्रथम स्थान आईटीआई पूसा टेक ने प्राप्त किया। टग ऑफ वॉर एसडी में सत्यवती महाविद्यालय और क्विज़ प्रतियोगिता में ज़ाकिर हुसैन महाविद्यालय प्रथम स्थान पर रहे। एकल गीत प्रतियोगिता में सिडीटी केहर सिंह, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय और एकल नृत्य प्रतियोगिता में सिडीटी नेहा यादव, दौलत राम महाविद्यालय की तरफ से प्रथम स्थान पर रहीं। सामूहिक नृत्य में दौलत राम महाविद्यालय ने जीत हासिल की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने महाविद्यालय के एनसीसी के सैनिक छात्रों की तरफ से सेक्शन अटैक का नमूना पेश किया, जिसने सभी को चौंका दिया। मुख्य अतिथि और प्राचार्य द्वारा विजेता कैडेट्स को उपहार प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया। महाविद्यालय के एनसीसी कप्तान ने इस मौके पर शामिल प्राचार्य, सभी सैनिक छात्रों और मुख्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और साथ ही उत्सव में उपस्थित सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्टेटिस्टिक्स विभाग

विद्यार्थियों ने जाना, क्या है सैंपलिंग थ्योरी

अभिषेक

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के रामलाल आनंद महाविद्यालय में 3 मार्च 2020 को स्टेटिस्टिक्स विभाग द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ रामलाल आनंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। प्रवक्ता के तौर पर अरूण अग्रवाल ने फाइनेंसियल स्टेटिस्टिक्स के बारे में छात्रों को जानकारी दी। संगोष्ठी के दूसरे प्रवक्ता धमेंद्र कुमार यादव ने सैंपलिंग थ्योरी के विशेष पहलुओं से छात्रों को अवगत किया।

स्टेटिस्टिक्स विभाग द्वारा तीन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें पहली प्रतियोगिता बैट बॉल एंड आइपीएल ऑक्शन रखी गई। इस प्रतियोगिता में 3 राउंड थे, जिसमें पहले और दूसरे राउंड में क्रिकेट क्विज़ रखा गया था दूसरी प्रतियोगिता काउच पोटेटो टेस्टिंग योर पैशन फॉर टीवी सीरीज़ व तीसरी प्रतियोगिता एक्स फैक्टर ट्विस्टिंग योर बेसिक विद स्टेटिस्टिक्स एंड मैथ्स रखी गई थी।

इन प्रतियोगिताओं में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया व अपने ज्ञान और प्रतिभा से सभी को अवगत किया। एक्स फैक्टर–योर बेसिक्स विद स्टेटिस्टिक्स एंड मैथ्स प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सत्यनिष्ठ व मेहर तथा द्वितीय स्थान अरनव व ऋतिक ने हासिल किया। बैट बॉल आईपीएल आक्रेशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पुलकित व तन्मय ने और द्वितीय स्थान सिद्धार्थ व मुकुल ने प्राप्त किया।

गांधी के मूल विचारों को जीवन में उतारने की ज़रूरत : पदमश्री दया प्रकाश सिन्हा

शादाब ख़ान

नई दिल्ली। रामलाल आनंद महाविद्यालय में "गांधी बियॉन्ड बाउंड्रीज" विषय पर 23 और 24 अक्टूबर 2019 को दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में सोमालिया की राजदूत फादुमा अब्दुल्लाह मोहम्मद ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई। सम्मेलन के पहले सत्र में गांधी भवन के निदेशक आर. सी भारद्वाज और गांधी दर्शन समिति के सह–कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजदीप मौजूद रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता व गांधी स्टडी सर्किल के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने सभी अतिथियों संग दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। डॉ. देवेंद्र कुमार ने गांधी स्टडी सर्किल का परिचय देते हुए सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। अपने वक्तव्य में फादुमा ने सोमोलिया और भारत के रिश्तों को गांधी के विचारों से जोड़कर प्रस्तुत किया। इसके बाद डॉ. भारद्वाज ने वर्तमान में गांधी के विचारों की प्रासंगिकता पर चर्चा

गांधी स्टडी सर्किल

की, जिसके साथ पहले सत्र का समापन हुआ।

दूसरे सत्र में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से आए प्रोफेसर विग्नेश कुमार और अंबेडकर विश्वविद्यालय के उप–कुलपति प्रोफेसर सलिल मिश्रा ने मुख्य वक्ता की भूमिका निभाई। सत्र की शुरूआत में अतिथियों को खादी वस्त्र भेंट किया गया। प्रोफेसर सलिल ने अहिंसा, सत्याग्रह, खादी और पर्यावरण पर गांधी के विचारों की चर्चा की। वहीं डॉ. विग्नेश ने गांधी के सामाजिक विचारों पर चर्चा की।

गांधी स्टडी सर्किल द्वारा आयोजित अंतराष्ट्रीय कार्यक्रम में मौजूद वक्तागण।

माता सुंदरी महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. हरप्रीत कौर ने अपने वक्तव्य में बताया कि साल 2019 खास है। इस साल देश गांधी की 150वीं जयंती और गुरू नानक देव की 550वीं जयंती मना रहा है। डॉ. कौर के भाषण के साथ ही तीसरे सत्र और पहले दिन के कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरूआत बांग्लादेशी स्कॉलर डॉ. होइमंती बरूआ, प्रोफेसर सुब्रता मुखर्जी, प्रोफेसर संजय भारद्वाज और प्रोफेसर मनोज सिन्हा के आगमन के साथ हुई। अपने वक्तव्य में डॉ. होइमंती बरूआ ने विश्व शांति में गांधी के विचारों का महत्व समझाया। कार्यक्रम के आखिरी सत्र में महाविद्यालय के चेयरमैन दया प्रकाश सिन्हा व पूर्व चेयरमैन बृज किशोर मौजूद रहे। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन कर दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन किया।

काव्य गोष्ठी में उभरे प्रतिभा के रंग

साहिल, पूजा

नई दिल्ली। रामलाल आनंद महाविद्यालय में 14 अगस्त 2019 को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में हिन्दी पत्रकारिता व जनसंचार विभाग द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. राजेश गौतम मुख्य अतिथि की भूमिका में नज़र आए। यह समारोह 11 बजे प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. राकेश कुमार व डॉ. नीलम ऋषिकल्प द्वारा मुख्य अतिथि को पौधा भेंट करके किया गया। सभी छात्रों ने इस मौके पर देश–भक्ति, प्रेम आदि पर अपनी–अपनी कविताएं पेश की, जिसने सबका मन मोह लिया। हिन्दी पत्रकारिता के छात्र मनोज थायत ने आशुतोष राणा की कविता 'हे भारत के राम जागो' सुनाई, वहीं धनंजय कुमार ने 'हम उस देश के वासी हैं, जिस देश में गंगा बहती है' की पंक्तियों के माध्यम से भारत की विशेषताएं बताई।

समारोह को आगे बढ़ाते हुए जुनैद ने अपनी स्वरचित कविता 'मैं कैसा मुसलमान हूँ भाई, मैं हिन्दू

हिन्दी पत्रकारिता

मुसलमान हूँ भाई, मैं हिन्दू मुसलमान हूँ' सुनाई, जिसे सुनकर पूरा माहौल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इसके अलावा अनेकों छात्रों ने अपनी कविताएं प्रस्तुत की, जिसमें रामलाल आनंद महाविद्यालय के अतिरिक्त दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म (डी.एस.जे) के छात्र भी सम्मिलित हुए।

हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रोफेसर प्रदीप कुमार, डॉ. अटल तिवारी, डॉ. निशा व प्रोफेसर सीमा ने अपनी कविताओं से माहौल को उल्लास से भर दिया। कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि डॉ. राजेश गौतम के जीवन यात्रा की एक छोटी–सी झलक के साथ हुई। उन्होंने 'जेबों मे संदेशों का अंबार लगा है' पंक्तियों के साथ काव्य गोष्ठी का समापन किया। इसके साथ उन्होंने अपनी कविताओं तथा गीतों के कैसेट महाविद्यालय को भेंट स्वरूप प्रदान किए। अंत में डॉ. नीलम ऋषिकल्प ने सबका धन्यवाद ज्ञापन कर काव्य गोष्ठी का समापन किया। छात्रों ने तालियां बजाकर खुशी जताई।

ऑटोमेटा 2020 में वक्ताओं ने बढ़ाया छात्रों का मनोबल

मनोज

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के रामलाल आनंद महाविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग की ओर से 27 से 28 फरवरी 2020 तक दो दिवसीय वार्षिक समारोह ऑटोमेटा 2020 का आयोजन किया गया। पहले दिन सीरीज़

कंप्यूटर साइंस विभाग

फेनेटिक्स नामक प्रश्नोत्तरी हुई, जिसमें हिन्दी और अंग्रेजी वेब सीरीज से जुड़े प्रश्न पूछे गए। उसके बाद मोबाइल फोटोग्राफी की प्रतियोगिता हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। पर्यावरण विषय आधारित सिंगल वेबपेज डेपलपमेंट प्रतियोगिता में भी प्रतिभागियों ने जमकर अपनी प्रतिभा दिखाई।

समारोह में सुधांशु गुप्ता, आशुतोष शर्मा और सागर राधी मुख्य वक्ता की भूमिका में नज़र आए। उन्होंने अपने वक्तव्य के माध्यम से छात्रों को तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दूसरे दिन रिले कोडिंग की प्रतियोगिता हुई। इसमें प्रतिभागियों को 10 मिनट का समय मिला। इसके तुरंत बाद पबजी टूर्नामेंट का आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों को कुछ पासवर्ड के ज़रिए प्रश्न को हल करना था। सॉफ्टवेयर और गेम डेपलपिंग में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए तकनीक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

सीएए, एनआरसी के सभी पहलुओं पर हुई विद्यार्थियों से बातचीत

आशुतोष मिश्रा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के रामलाल आनंद कॉलेज में 17 जनवरी 2020 को स्टूडेंट यूनियन व संगोष्ठी सोसाइटी ने मिलकर 'सीएए एनआरसी मैथ्स ऐंड फैक्टस' पर कार्यक्रम का आयोजन करवाया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद व पत्रकार बलबीर पुंज मुख्य अतिथि की भूमिका में नज़र आए। महाविद्यालय के प्राचार्य

स्टूडेंट यूनियन व संगोष्ठी सोसाइटी

डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जिसके बाद डॉ. प्रेरणा मल्होत्रा ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्र भी शामिल हुए। मुख्य अतिथि बलबीर पुंज ने अपने भाषण में बताया कि सीएए हिंदू, इस्लाम, ईसाईयत, जैन व अन्य छोटे–छोटे धर्मों से ताल्लुक रखने वाले लोगों की नागरिकता छीनने के लिए नहीं बल्कि अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए लोगों को भारत में पाँच साल हो जाने पर नागरिकता देने के लिए तैयार किया गया कानून है। उन्होंने यह भी कहा कि बगैर इकोसिस्टम के धर्मनिरपेक्षता तथा लोकतंत्र को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता है, जो विरोध कर रहे हैं वो गलत नहीं हैं जब भी कोई नई चीज़ बनाई जाती है तो उसमें कुछ खामियां जरूर होती हैं। बलवीर पुंज ने बताया कि जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 की दीवार ने अनेक लोगों को देश का नागरिक बनने नहीं दिया इसलिए भाजपा सरकार उनको सीएए के ज़रिए नागरिकता देना चाहती है। एनआरसी का ज़िक्र करते हुए उन्होंने बताया कि दुनिया के सौ देशों में आज एनआरसी लागू है। भारत के पास अपने नागरिकों का हिसाब होना चाहिए ताकि सरकार बेहतरीन ढंग से अपने नागरिकों का कल्याण कर सके।

इसके बाद प्रश्नोत्तरी का दौर चला जिसमें कई छात्रों ने अपने प्रश्न रखे। डॉ. मल्होत्रा ने वक्ता का शुक्रिया अदा किया तथा प्राचार्य, शिक्षक व छात्रों को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। प्रश्नोत्तरी के पश्चात कार्यक्रम में आए वक्ता बलबीर पुंज का धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा किया गया।

रिजवान और अमित ने जीती साहित्यिक प्रश्नोत्तरी

गीतू कत्याल

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के रामलाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी विभाग की हिन्दी साहित्य परिषद द्वारा 17 फरवरी 2020 को साहित्यिक प्रश्नोत्तरी एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता तथा हिन्दी साहित्य परिषद के संयोजक डॉ. सुभाष चंद्र डबास के

हिंदी विभाग

सहयोग से इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. अलंकार, डॉ. कृष्ण गोपाल त्यागी और डॉ. मानवेश नाथ दास उपस्थित रहे। महाविद्यालय के विभिन्न विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग के विद्यार्थी अनुराधा व नव्या द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता का प्रारंभ हिंदी साहित्य प्रश्नोत्तरी से हुआ, जिसमें साहित्य से सम्बंधित कई सवाल पूछे गए। यह प्रतियोगिता कई राउंड में संपन्न हुई। इसके बाद काव्य पाठ प्रतियोगिता की शुरूआत की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी कविताएं सुनाकर सबका मन मोह लिया। आखिर में प्रथम तीन प्रतिभागियों का नाम घोषित किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार हिंदी विभाग के द्वितीय वर्ष के रिजवान और अमित, द्वितीय पुरस्कार तृतीय वर्ष के विकास और रोशन को व तृतीय पुरस्कार द्वितीय वर्ष के कुलदीप व अभिषेक ने अपने नाम किया। सभी उपस्थित शिक्षकगणों व निर्णायक मंडल का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

आरएलए समाचार
संरक्षक मंडल
प्राचार्य
डॉ. राकेश कुमार गुप्ता
विभागाध्यक्ष
डॉ. नीलम ऋषिकल्प
संयोजक
डॉ. राकेश कुमार
परामर्शदाता
डॉ. अटल तिवारी
संपादक
मानसी बिष्ट
उप–संपादक
गीतू कत्याल